१. इनसान

– रमानाथ अवस्थी

मैंने तोड़ा फूल, किसी ने कहा–
फूल की तरह जियो औ' मरो
सदा इनसान ।

भूलकर वसुधा का शृंगार,
सेज पर सोया जब संसार,
दीप कुछ कहे बिना ही जला
रात भर तम पी–पीकर पला

दीप को देख, भर गए नयन
उसी क्षण
बुझा दिया जब दीप, किसी ने कहा
दीप की तरह जलो, तम तुम हरो
सदा इनसान ।

रात से कहने मन की बात,
चंद्रमा जागा सारी रात,
भूमि की सूनी डगर निहार,
डाल आँसू चुपके दो–चार

डूबने लगे नखत बेहाल
उसी क्षण
छिपा गगन में चाँद, किसी ने कहा–
चाँद की तरह, जलन तुम हरो
सदा इनसान ।

साँस–सी दुर्बल लहरें
पवन ने लिखा जलद को लेख,
पपीहा की प्यारी आवाज,
हिलाने लगी इंद्र का राज,

धरा का कंठ सींचने हेतु
उसी क्षण
बरसे झुक–झुक मेघ, किसी ने कहा–
मेघ की तरह प्यास तुम हरो
सदा इनसान ।

—— ० ——

परिचय

जन्म : १९२६, फतेहपुर (उ.प्र.)
मृत्यु: २००२
परिचय : अवस्थी जी ने आकाशवाणी में प्रोड्यूसर के रूप में कई वर्षों तक काम किया। आप लोकप्रिय मधुर गीतकार थे । आपको उत्तर प्रदेश सरकार ने पुरस्कृत किया है ।
प्रमुख कृतियाँ : 'सुमन–सौरभ' 'आग और पराग', 'राख और शहनाई', 'बंद न करना द्वार' आदि ।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत नवगीत में रमानाथ अवस्थी जी का कहना है कि प्रत्येक इनसान को फूल की तरह अपने अच्छे कर्मों की खुशबू समाज में फैलानी चाहिए । आपने सभी को दीपक की तरह अज्ञान के अंधकार को दूर करने, चंद्रमा की तरह दूसरों के दुख–ताप को हरने, बादलों की तरह प्यासों की प्यास बुझाने के लिए प्रेरित किया है ।

कल्पना पल्लवन

'मानवता मनुष्य का मौलिक अलंकार है,' स्पष्ट करो ।

शब्द वाटिका

नखत = नक्षत्र
डगर = मार्ग, रास्ता
निहारना = गौर से देखना
बेहाल = जिसकी हालत या दशा अच्छी न हो, व्याकुल, बेचैन
जलद = बादल
जलन = ताप

MGIDH5

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :–**

(१) उचित शब्दों से पूर्ण करो :

दीप की तरह –
फूल की तरह –
चाँद की तरह –
मेघ की तरह –

(२) 'मैंने तोड़ा फूल, किसी ने कहा– फूल की तरह जियो औ मरो, सदा इनसान' पंक्तियों का अर्थ लिखो ।

(३) कविता में इस अर्थ में आए शब्द लिखो :

धरती =		आकाश =	
अँधियारा =		हवा =	
पृथ्वी =		बादल =	

सदैव ध्यान में रखो अच्छे कर्मों से ही मनुष्य की पहचान होती है ।

भाषा बिंदु **पढ़े हुए पाठों से सभी प्रकार के विरामचिह्न ढूँढ़कर उनके नाम लिखो तथा उनका वाक्यों में प्रयोग करो:**

_____ _____
_____ _____
_____ _____

उपयोजित लेखन किसी मराठी निमंत्रण पत्रिका का हिंदी में अनुवाद करो ।

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन विभिन्न ऋतुओं में मानव के खान-पान तथा वेशभूषा में आने वाले परिवर्तनों की सूची बनाओ ।